PERFECT

SAMPLE CONTENT

# हिंदी लोकवाणी

बोर्ड की नई कृतिपत्रिका प्रारूप के अनुसार

कक्षा नौवीं

(द्वितीय भाषा -संयुक्त)

चंद्रभूषण शुक्ल
B.M.M.- Journalism

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४ द्वारा
निर्धारित कृतिपत्रिका प्रारूप पर आधारित

# PERFECT
# हिंदी लोकवाणी
## नौवीं कक्षा

**विशेषताएँ**

- बोर्ड कृतिपत्रिका प्रारूप व अद्यावत पाठ्यपुस्तक पर आधारित
- विविध आकलन कृतियों का समावेश
- प्रत्येक पाठ का गद्यांश व पद्यांश में विभाजन
- अधिकाधिक अभ्यास हेतु व्याकरण का प्रत्येक पाठ में समावेश
- विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु स्वतंत्र भाषा अध्ययन (व्याकरण) विभाग
- लेखन कौशल विकास हेतु उपयोजित लेखन का स्वतंत्र विभाग

Sample Content

Printed at: **Print to Print,** Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
*No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.*

Balbharati Registration No.: 2018MH0022 **TEID: 3903** P.O. No. 13860

# प्रस्तावना

**प्रिय विद्यार्थियो!**

हम सहृदय नौवीं कक्षा में आपका अभिनंदन करते हैं। शैक्षणिक यात्रा के इस पड़ाव पर मानसिक चिंता व चिंतन दोनों का बढ़ना स्वाभाविक है। शिक्षा की पारंपरिक पद्धतियों में परिवर्तन कर उसे आधुनिक स्वरूप में ढालने व शिक्षा को व्यवहार जगत से जोड़ने के उद्देश्य से शिक्षण मंडळ ने इस पाठ्यक्रम का निर्माण किया है। शिक्षण मंडळ के उठाए गए इस कदम से ज्ञान के रूप में विविधता आने के साथ ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास निश्चित है। नई कृतिपत्रिका प्रारूप को आधार बनाकर **टार्गेट पब्लिकेशंस** द्वारा **PERFECT हिंदी लोकवाणी : नौवीं कक्षा** की मार्गदर्शक पुस्तिका का निर्माण किया गया है। यह पुस्तिका इस पाठ्यक्रम को सरल, सुगम एवं रुचिकर बनाने के साथ ही विद्यार्थी एवं पाठ्यक्रम के बीच सेतु का कार्य करेगी।

विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता प्रबल करने अर्थात श्रवण, भाषण, वाचन एवं लेखन में उन्हें दक्ष बनाने के साथ ही उनकी कल्पनात्मक व वैचारिक शक्ति को और अधिक विकसित करने के उद्देश्य से इस पुस्तिका का निर्माण किया गया है। पुस्तिका की विविध विशेषताओं की विवेचना आगे के कुछ पृष्ठों पर विस्तारित रूप से की गई है। हमें आशा और विश्वास है कि निश्चय ही यह पुस्तिका विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी और उनका सही दिशा में मार्गदर्शन करेगी।

पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए आपके अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल है: mail@targetpublications.org

**उज्ज्वल भविष्य की ढेरों शुभकामनाएँ!**

**प्रकाशक**

**संस्करण:** तीसरा

Sample Content

**Disclaimer**

This reference book is transformative work based on 'हिंदी लोकवाणी' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

# विशेषताएँ

**सरल भाषा**

विद्यार्थियों की सुविधा हेतु सरल भाषा शैली का प्रयोग किया गया है।

**कुल अंक विभाजन**

लोकवाणी के कुल अंकों के विभाजन का सविस्तार वर्णन यहाँ किया गया है।

**पाठ परिचय**

प्रत्येक पाठ का आवश्यकतानुसार पाठ परिचय दिया गया है। इससे विद्यार्थियों को पाठ के उद्देश्य को समझने में आसानी होगी।

**शब्दार्थ/मुहावरे/कहावतें**

प्रत्येक पाठ में आए कठिन शब्दों के सरल हिंदी व अंग्रेजी अर्थ दिए गए हैं। पाठ में प्रयुक्त मुहावरे व कहावतें भी अर्थ सहित दिए गए हैं।

**भावार्थ/सरल अर्थ**

कविताओं को सरलता से समझने के लिए उनके सरल अर्थ दिए गए हैं।

**गद्यांश व पद्यांश**

प्रत्येक पाठ का गद्यांश व पद्यांश में विभाजन कर उनपर आधारित कृतियाँ दी गई हैं।

**पाठ पर आधारित कृतियाँ**

संपूर्ण पाठ पर आधारित कृतियों को इस विशेष विभाग में शामिल किया गया है।

**भाषिक कौशल**

पाठ्यपुस्तक में दी गई श्रवणीय, संभाषणीय, पठनीय आदि कृतियों को आवश्यकतानुसार इस विभाग में शामिल किया गया है।

**भाषा अध्ययन (व्याकरण)**

व्याकरण के विभिन्न घटकों को प्रत्येक पाठ में समाहित करने के साथ ही इस विशेष विभाग में में उनका विस्तारित विवेचन करते हुए अभ्यास दिया गया है।

**उपयोजित लेखन**

विद्यार्थियों को लेखन की कला में निपुण बनाने के लिए यहाँ पत्र-लेखन, गद्य-आकलन, कहानी-लेखन, विज्ञापन-लेखन व निबंध-लेखन का समावेश किया गया है।

Sample Content

# विषय - सूची


| क्र. | पाठ का नाम | रचनाकार | पृष्ठ |
|---|---|---|---|
| | **पहली इकाई** | | |
| १. | नदी की पुकार | सुरेशचंद्र मिश्र | १ |
| २. | झुमका | सुशील सरित | ५ |
| ३. | निज भाषा (पठनार्थ) | भारतेंदु हरिश्चंद्र | १२ |
| ४. | मान जा मेरे मन | रामेश्वर सिंह कश्यप | १६ |
| ५. | किताबें कुछ कहना चाहती हैं | सफदर हाश्मी | २४ |
| ६. | 'इत्यादि' की आत्मकहानी (पठनार्थ) | यशोदानंद अखौरी | २७ |
| ७. | छोटा जादूगर | जयशंकर प्रसाद | ३३ |
| ८. | जिंदगी की बड़ी जरूरत है हार...! | प्रा. संतोष मडकी | ४० |
| | **दूसरी इकाई** | | |
| १. | गागर में सागर | बिहारी | ४५ |
| २. | मैं बरतन माँजूँगा | हमराज भट्ट 'बालसखा' | ५० |
| ३. | ग्रामदेवता (पठनार्थ) | डॉ. रामकुमार वर्मा | ५६ |
| ४. | साहित्य की निष्कपट विधा है–डायरी | कुबेर कुमावत | ६० |
| ५. | उम्मीद | कमलेश भट्ट 'कमल' | ६७ |
| ६. | सागर और मेघ | राय कृष्णदास | ७२ |
| ७. | लघुकथाएँ (पठनार्थ) | ज्योति जैन | ७९ |
| ८. | झंडा ऊँचा सदा रहेगा | रामदयाल पांडेय | ८३ |
| | **भाषा अध्ययन (व्याकरण)** | | ८८ |
| | **रचना विभाग (उपयोजित लेखन)** | | |
| १. | पत्र-लेखन | | ९९ |
| २. | कहानी-लेखन | | १०७ |
| ३. | गद्य-आकलन | | ११३ |
| ४. | विज्ञापन-लेखन | | ११५ |
| ५. | निबंध-लेखन | | ११९ |


**निर्देश: पाठ में दी गई कृतियों को * के द्वारा दर्शाया गया है।**

## लोकवाणी अंक विभाजन

**लिखित परीक्षा –४० अंक**

| विभाग | घटक | अंक | विकल्प अंक |
|---|---|---|---|
| १ | गद्य | १२ | |
| २ | पद्य | ८ | |
| ३ | भाषा अध्ययन (व्याकरण) | ८ | ०२ |
| ४ | उपयोजित लेखन | १२ | १६ |
| | कुल अंक | ४० | १८ |

**अंतर्गत मूल्यमापन – १० अंक**

- अ – स्वाध्याय – ५ अंक
- ब – मौखिक परीक्षा – ५ अंक

Sample Content

# २ झुमका

– सुशील सरित

## परिचय

**रचनाकार**

सुशील सरित जी आधुनिक कथाकार हैं। वर्तमान में घटित सामाजिक घटनाओं को आधार बनाकर उन्हें कहानी के माध्यम से इन्होंने बखूबी पेश किया है। इनकी कहानियाँ, निबंध विविध पत्र-पत्रिकाओं में प्राय: छपते रहते हैं।

**गद्य**

जीवन की किसी घटना का रोचक, प्रवाही वर्णन कहानी है। 'झुमका' यह एक वर्णनात्मक कहानी है।

## शब्द संसार

### शब्दार्थ

| | |
|---|---|
| आग्रह | हठपूर्वक प्रार्थना (to insist) |
| करीब | नजदीक (closeby) |
| कोहनी | टिहुनी (बाँह के बीच का जोड़) (elbow) |
| गंदुमी | गेहुँआ रंग (wheatish) |
| गनीमत | संतोष की बात (thankfully) |
| चौका-बासन | रसोईघर, बरतन साफ करना (washing utensils) |
| झबिया | टोकरी (basket) |
| तसल्ली | धीरज (satisfaction) |
| दाम | कीमत, मूल्य (price) |
| दुर्बल | कमजोर (weak) |
| नि:संकोच | बिना संकोच किए (confidently) |
| निबटाना | पूर्ण करना (complete) |
| परिचित | जिससे मेल-जोल हो (familiar) |
| बापू | पिता (father) |
| मामूली | सामान्य, साधारण (common) |
| सहमना | डरना, भयभीत होना (be frightened) |
| सहानुभूति | समवेदना (sympathy) |
| सुहाग | पति (husband) |

### मुहावरे

*१. **आँख फटना** - चकित हो जाना।

*२. **घर सर पर उठा लेना** - शोर मचाना।

*३. **सिहर उठना** - भय से काँपना।

### गद्यांश – १

**पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्रमांक ३**

**[कांति ने घर का कोना-कोना .....**

**..... को भी कुछ नहीं बताया।]**

**निर्देश:** यहाँ गद्यांश की पंक्तियों को पूरा न देते हुए उसके आरंभ और अंत के शब्द संकेत के लिए दिए गए हैं। विद्यार्थी पाठ्यपुस्तक से इन पंक्तियों को पढ़ें। ज्ञात हो कि परीक्षा में गद्यांश की पूरी पंक्तियाँ दी जाएँगी, जिसके आधार पर कृतियों के उत्तर लिखने होंगे।

### १ – आकलन कृतियाँ

*१. **संजाल पूर्ण कीजिए:**

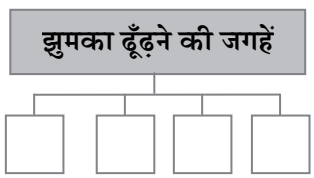


**उत्तर:** १. घर का कोना-कोना
२. एक-एक आलमारी
३. आलमारी में बिछे कागज के नीचे
४. बिस्तर

*२. **आकृति पूर्ण कीजिए:**

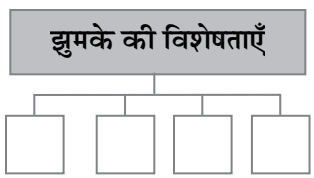


**उत्तर:** १. खूबसूरत
२. एक नजर में भाने वाले
३. चार तोले के लगने वाले
४. केवल दो हजार के

Sample Content

**३. संजाल पूर्ण कीजिए:**

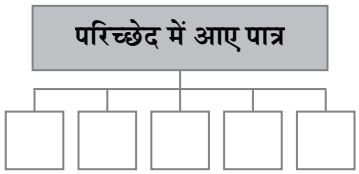


**उत्तर:** १. कांति २. सर्वेश
३. मिन्नी ४. रमा
५. दुकानदार

**४. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:**

१. अभी पिछले महीने ही तो मिन्नी की _____ खोने पर सर्वेश ने पूरा घर सर पर उठा लिया था।
(चूड़ी, घड़ी, पाजेब)

२. कांति ने हाथ में पकड़े दूसरे _____ पर नजर डाली।
(कागज, हार, झुमके)

३. दुकानदार _____ का परिचित था। (रमा, कांति, मिन्नी)

४. अपनी सारी जमा-पूँजी _____ कांति दूसरे ही दिन झुमके का सेट खरीद लाई।
(बेचकर, गिरवी रखकर, इकट्ठा कर)

**उत्तर:** १. घड़ी २. झुमके
३. रमा ४. इकट्ठा कर

**५. कारण लिखिए:**

***१. कांति को सर्वेश से झुमका खरीदवाने की हिम्मत नहीं हुई .....**

**उत्तर:** मार्च का महीना था और सर्वेश इनकम टैक्स के टेंशन से घिरा था।

**२. दुकानदार ने झुमके के सेट को दो दिन तक न बेचने का वादा किया .....**

**उत्तर:** दुकानदार रमा का परिचित था और कांति ने उससे आग्रह किया था।

## २ – शब्द संपदा

**१. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए:**

१. घर २. झुमका ३. साल ४. खूबसूरत

**उत्तर:** १. सदन, भवन, निकेतन, निवास, गृह
२. कर्णफूल, लोलक
३. वर्ष, बरस, अब्द, वत्सर
४. सुंदर, रूपवान

**२. परिच्छेद में आए शब्दयुग्म खोजकर लिखिए:**

**उत्तर:** १. कोना-कोना २. एक-एक
३. दो-दो ४. जमा-पूँजी

## ३ – अभिव्यक्ति

**१. 'सभी वस्तुओं को व्यवस्थित ढंग से रखना चाहिए', इस पर अपने विचार लिखिए।**

**उत्तर:** वस्तुओं को व्यवस्थित रूप से रखना एक अच्छी आदत होती है। चाहे घर हो या दफ्तर, प्रत्येक व्यक्ति को सभी वस्तुएँ व्यवस्थित ढंग से रखनी चाहिए। सभी वस्तुओं की एक जगह बनानी चाहिए ताकि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी वस्तु को ढूँढ़ने में समय बर्बाद न हो और वह जल्दी से मिल जाए। व्यवस्थित ढंग से रखी गई वस्तुएँ देखने में भी सुंदर लगती हैं। यदि वस्तुओं को व्यवस्थित ढंग से रखा जाए तो कम जगह में भी अधिक वस्तुएँ रखी जा सकती हैं। इसके अलावा वस्तुएँ भी टिकाऊ बन जाती हैं।

## गद्यांश – २

**पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्रमांक ३-४**
**[आज सुबह रमा के आने .....**
**..... बरतन माँजने बैठ गई।]**

## १ – आकलन कृतियाँ

**१. उत्तर लिखिए:**

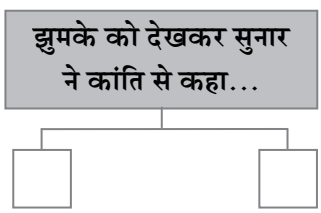


**उत्तर:** १. अरे बहन जी, यह तो मामूली-सी बात है, अभी ठीक हुई जाती है।
२. आगे भी कोई छोटी-मोटी खराबी हो तो नि:संकोच अपनी ही दुकान समझकर आ जाइएगा।

**२. संजाल पूर्ण कीजिए:**

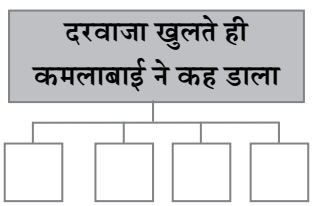


**उत्तर:** १. बहू जी, आज जरा देर हो गई।
२. लड़की दो महीने से यहीं है।
३. उसके लड़के की तबीयत जरा खराब हो गई थी।
४. उसे डॉक्टर को दिखाकर आ रही हूँ।

Sample Content

**३. एक शब्द में उत्तर लिखिए:**

१. कांति ने झुमके किसको दिखाए?
२. कांति रमा के साथ किसमें बैठकर सुनार के पास चली गई?
३. कांति ने पैकेट को किसमें रखने के लिए उठाया?
४. कांति किसके यहाँ से झुमके लाई थी?
५. कांति की बंद आँखों के सामने क्या घूमता रहा?
६. कमलाबाई के आने पर कांति ने ड्राइंग रूम का क्या खोला?

**उत्तर:** १. रमा २. रिक्शा
३. आलमारी ४. सुनार
५. झुमका ६. दरवाजा

## २ – शब्द संपदा

**१. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए:**

१. सुनारिन २. भाई
३. घंटा ४. लड़का

**उत्तर:** १. सुनार २. बहन
३. घंटी ४. लड़की

**२. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:**

१. साँस २. झुमका
३. राशियाँ ४. रिक्शे

**उत्तर:** १. साँसें २. झुमके
३. राशि ४. रिक्शा

## ३ – अभिव्यक्ति

***मौलिक सृजन**

**१. 'हम समाज के लिए समाज हमारे लिए' विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।**

**उत्तर:** एक से अधिक लोगों के समूह को समाज कहते हैं। समाज में रहने वाले व्यक्ति एक-दूसरे के प्रति प्रेम का भाव रखते हैं। दुनिया के सभी समाज अपनी अलग पहचान बनाते हुए अलग-अलग रीति-रिवाजों का पालन करते हैं। जिस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति का विकास समाज के लिए अत्यंत महत्त्व रखता है, उसी प्रकार समाज का विकास भी उसके लोगों के लिए महत्त्वपूर्ण है। हम जन्म के बाद से जो कुछ भी समाज को देते हैं, समय-समय पर हम समाज से वैसा ही पाते रहते हैं। समाज व व्यक्ति एक-दूसरे के पूरक हैं। हमें अपने समाज के विकास के लिए हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए। इससे न केवल हमें बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी सामाजिक समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। अत: इससे यह स्पष्ट होता है कि हम समाज के लिए हैं और समाज हमारे लिए है।

## गद्यांश – ३

**पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्रमांक ४-५**
**[कमलाबाई की लड़की दो .....**
**..... के हाथ पर रख दिया।]**

## १ – आकलन कृतियाँ

**१. आकृति पूर्ण कीजिए:**

**कमलाबाई से ये कहकर कांति ऊपर छत से सूखे हुए कपड़े उठाने चली गई**

**उत्तर:** १. सहानुभूति के दो-चार शब्द
२. अपनी इस महीने की पगार लेती जाना

**२. आकृति पूर्ण कीजिए:**

**कमलाबाई झुमका बेचकर ये करेगी**

**उत्तर:** १. कोई हलका-फुलका गहना बिटिया को दिलवा देगी।
२. उसके ससुराल खबर करवा देगी।

**३. उचित जोड़ियाँ मिलाइए:**

| क्र. | अ | | ब |
|---|---|---|---|
| १. | ट्रांसपोर्ट | अ. | फुलका |
| २. | चौका | ब. | किचन |
| ३. | बरतन | क. | कंपनी |
| ४. | हलका | ड. | बासन |

**उत्तर:** (१ – क), (२ – ड), (३ – ब), (४ – अ)।

***४. एक से दो शब्दों में उत्तर लिखिए:**

१. कमलाबाई की पगार
२. कमलाबाई ने नोट यहाँ रखे

**उत्तर:** १. दो सौ रुपये २. पल्लू में

## २ – शब्द संपदा

**१. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करके मूल शब्द लिखिए:**

१. घरवाला २. नौकरी
३. चोरी ४. ससुराल

**उत्तर:** १. घर २. नौकर
३. चोर ४. ससुर

Sample Content

**२. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए:**

१. बात २. घर
३. काम ४. एक

**उत्तर:** १. बेबात २. बेघर
३. नाकाम ४. अनेक

***३. 'सौ' शब्द का प्रयोग करके कोई दो कहावतें लिखिए।**

**उत्तर:** १. नया नौ दिन, पुराना सौ दिन।
२. नौ सौ चूहे खाके बिल्ली चली हज को।

## ३ – अभिव्यक्ति

***१. 'अपने घरों में काम करने वाले नौकरों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करना चाहिए', अपने विचार लिखिए।**

**उत्तर:** कहा जाता है कि सुबह से लेकर शाम तक मालिक की सेवा करने वाला नौकर मालिक के सभी कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी रखता है। वह जब चाहे उन जानकारियों का गलत इस्तेमाल कर सकता है। कई बार यह देखने को मिलता है कि मालिक अपने नौकर को अपने घर के सदस्यों की तरह ही मानता है और परिवार के सदस्य की तरह उसको भी सम्मान देता है। अच्छी-बुरी परिस्थितियों में उसके साथ खड़ा होता है। उसके इसी स्वभाव का परिणाम उसे नौकर से दोगुना होकर मिलता है। नौकर-मालिक के बीच का यही अपनापन व व्यवहार ही उन्हें एक-दूसरे के प्रति ईमानदार बनाए रखता है। प्रत्येक नौकर और मालिक के बीच सौहार्दपूर्ण व्यवहार होना चाहिए।

## गद्यांश – ४

**पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्रमांक ५**
**["अरे!" कांति के मुँह से .....**
**..... हुई कमलाबाई चली गई।]**

## १ – आकलन कृतियाँ

**१. आकृति पूर्ण कीजिए:**

**कांति की आँखों के सामने कमलाबाई की लड़की की ऐसी सूरत घूम गई**

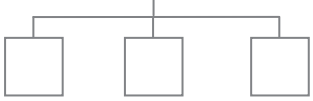

**उत्तर:** १. दुबली-पतली २. गंदुमी रंग वाली
३. कमजोर-सी

**२. आकृति पूर्ण कीजिए:**

**यह कहती हुई कमलाबाई चली गई**

**उत्तर:** १. अभी जाकर रघू सुनार से बाली का सेट ले आती हूँ, बहू जी!
२. भगवान तुम्हारा सुहाग सलामत रखे।

**३. ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों:**

१. कांति २. कमलाबाई
३. टोकने ४. झुमका

**उत्तर:** १. किसकी आँखों के सामने कमलाबाई की लड़की की सूरत घूम गई?
२. किसने अपने दामाद को दो-चार गहने नहीं दिए थे?
३. कमलाबाई के क्या करने पर कांति को जैसे होश आ गया?
४. कांति कमलाबाई से क्या बिकवा देने के लिए कहती है?

**४. निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:**

१. कांति को एक पल को यही लगा कि सामने कमलाबाई नहीं है।
२. भगवान तुम्हारा सुहाग सलामत रखे।
३. अगर बेचने पर कुछ ज्यादा पैसे मिले तो मैं बाद में तुम्हें दे दूँगी।
४. लड़की को उसने कभी देखा नहीं था।

**उत्तर:** १. लड़की को उसने कभी देखा नहीं था।
२. कांति को एक पल को यही लगा कि सामने कमलाबाई नहीं है।
३. अगर बेचने पर कुछ ज्यादा पैसे मिले तो मैं बाद में तुम्हें दे दूँगी।
४. भगवान तुम्हारा सुहाग सलामत रखे।

**५. कारण लिखिए:**

**१. कमलाबाई के दामाद ने उसकी बेटी को मायके में छोड़ा हुआ है...**

**उत्तर:** कमलाबाई ने उसे दो-चार गहने भी नहीं दिए थे।

***२. कांति ने कमलाबाई को एक हजार रुपये दिए...**

**उत्तर:** कमलाबाई ने कांति को एक झुमका बेचने के लिए दिया जिसकी कीमत एक हजार रुपये थी।

Sample Content

## २ – शब्द संपदा

**१. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए:**

१. पतली　　२. कमजोर
३. दुर्बल　　४. खोया

**उत्तर:** १. मोटी　　२. ताकतवर
३. सबल　　४. पाया

**२. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग अलग करके मूल शब्द लिखिए:**

१. दरअसल　　२. खूबसूरत
३. दुर्बल　　४. बेहोश

**उत्तर:** १. असल　　२. सूरत
३. बल　　४. होश

**३. परिच्छेद में आए शब्दयुग्म खोजकर लिखिए:**

**उत्तर:** १. सहम-सी　　२. दुबली-पतली
३. कमजोर-सी　　४. दो-चार
५. छोटा-मोटा　　६. सौ-सौ

## ३ – अभिव्यक्ति

***लेखनीय**

**१. 'दहेज' समाज के लिए एक कलंक है, इस पर अपने विचार लिखिए।**

**उत्तर:** दहेज आज हमारे समाज के लिए कलंक बन चुका है। दुख की बात यह है कि अशिक्षित व कम पढ़े-लिखे परिवारों के साथ ही शिक्षित परिवारों द्वारा भी दहेज प्रथा को बढ़ावा दिया जा रहा है। दहेज को प्रथा का नाम देकर अधिक-से-अधिक धन की माँग करना हमारे समाज में आम बात हो गई है। दहेज के लिए शादी का टूटना, लड़की की हत्या, लड़की पर अत्याचार करना इत्यादि आज आम बातें हो गई हैं। गरीब परिवारों के साथ ही अमीर परिवारों के लिए भी यह धीरे-धीरे चिंता का विषय बनता जा रहा है, क्योंकि लड़की का परिवार जितना धनवान होगा उससे उतना अधिक दहेज माँगा जाता है। यह प्रथा समाज के विकास में बाधा बन गई है। इस प्रथा के चलते आज हमारे समाज में लड़कियों का जन्म लेना ही बोझ माना जाने लगा है। कन्या भ्रूण हत्या जैसी घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं। अत: यदि हमें हमारे समाज को सुधारना व विकसित बनाना है, तो हमें इस कुप्रथा को खत्म करना होगा।

## पाठ पर आधारित कृतियाँ

***पाठ के आँगन में**

**१. एक-दो शब्दों में ही उत्तर लिखिए:**

१. दुबली-पतली –
२. दो महीने से मायके में है –
३. कमजोर-सी –
४. दो महीने से यहीं है –

**उत्तर:** १. कमलाबाई की लड़की　२. कमलाबाई की लड़की
३. कमलाबाई की लड़की　४. मायके में

***रचना बोध**

**उत्तर:** प्रस्तुत कहानी के माध्यम से लेखक ने कहानी में बिना बताए परोपकार किए जाने को दर्शाया है। परोपकार, दया एवं अन्य मानवीय गुणों को दर्शाते हुए इन्हें अपनाने का संदेश दिया है।

***भाषा बिंदु**

**१. रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखकर नए वाक्य बनाइए:**

१. कांति को कमला पर <u>विश्वास</u> था।
२. बड़ी <u>मुश्किल</u> से उसकी आँख लगी।
३. दुकानदार रमा का <u>परिचित</u> था।
४. सोच समझकर <u>व्यय</u> करना चाहिए।
५. हमें सदैव अपने लिए किए गए कामों के प्रति <u>कृतज्ञ</u> होना चाहिए।
६. पूर्व दिशा में <u>सूर्योदय</u> होता है।

**उत्तर: विलोम शब्द**

१. विश्वास × अविश्वास
२. मुश्किल × आसान
३. परिचित × अपरिचित
४. व्यय × आय
५. कृतज्ञ × कृतघ्न
६. सूर्योदय × सूर्यास्त

**वाक्य:** १. चंचला को कुशल पर <u>अविश्वास</u> था।
२. चैन की नींद लेना <u>आसान</u> नहीं होता।
३. स्वार्थ पूरा हो जाने पर लोग <u>अपरिचित</u> जैसा व्यवहार करने लगते हैं।
४. मनुष्य की वास्तविक पूँजी उसकी <u>आय</u> नहीं बचत होती है।
५. सफलता के शिखर पर पहुँचने के बाद भी हमें <u>कृतघ्न</u> नहीं होना चाहिए।
६. <u>सूर्यास्त</u> पश्चिम दिशा में होता है।

Sample Content

## भाषा अध्ययन (व्याकरण)

**१. वर्तनी के नियमों के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए:**

१. परीचित/परिचित/परिचीत/परीचीत

२. आगरह/आगृह/आग्रह/आगर्ह

**उत्तर:** १. परिचित २. आग्रह

**२. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए:**

१. नीचे २. के कारण

**उत्तर:** १. नीचे कुछ गिरा है।

२. तेज बारिश के कारण फसल खराब हो गई।

**३. तालिका पूर्ण कीजिए:**

| क्र. | संधि शब्द | संधि विच्छेद | भेद |
|---|---|---|---|
| १. | _____ | सर: + वर | _____ |
| २. | _____ | शरण + अर्थी | _____ |

**उत्तर:**

| क्र. | संधि शब्द | संधि विच्छेद | भेद |
|---|---|---|---|
| १. | सरोवर | सर: + वर | विसर्ग संधि |
| २. | शरणार्थी | शरण + अर्थी | स्वर संधि |

**४. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए:**

१. आँख फटना २. घर सर पर उठा लेना

३. सिहर उठना

**उत्तर:**

१. **आँख फटना** - चकित हो जाना।

**वाक्य:** गरीबी में जी रहे कलाकांत की बेटी की शानदार शादी देखकर गाँव वालों की आँख फट गई।

२. **घर सर पर उठा लेना** - शोर मचाना।

**वाक्य:** अपना प्रिय भोजन न मिलने पर गुल्लू ने पूरा घर सर पर उठा लिया।

३. **सिहर उठना** - भय से काँपना।

**वाक्य:** साँप के साथ संगीता को खेलते हुए देखकर उसकी माँ सिर से पाँव तक सिहर उठी।

**५.**

**i. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल के भेद पहचानकर लिखिए:**

१. सर्वेश से कहने की उसकी हिम्मत नहीं पड़ी।

२. इसमें बगलवाला मोती तो टूटा हुआ है।

**उत्तर:** १. सामान्य भूत काल २. पूर्ण वर्तमान काल

**ii. सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:**

१. रास्ते में यह सड़क पर पड़ा मिला। (सामान्य भविष्य काल)

२. यह खबर कांति के लिए नई थी। (पूर्ण वर्तमान काल)

**उत्तर:**

१. रास्ते में यह सड़क पर पड़ा मिलेगा।

२. यह खबर कांति के लिए नई है।

**६.**

**i. निम्नलिखित वाक्यों के रचना के अनुसार भेद पहचानकर लिखिए:**

१. कांति से पूछे बिना रहा नहीं गया।

२. अब तुम्हीं बताओ बहू जी कि चौका-बासन करके मैं आखिर कितना करूँ।

**उत्तर:** १. सरल वाक्य २. मिश्र वाक्य

**ii. अर्थ के अनुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए:**

१. लड़की को उसने कभी देखा नहीं था। (विधानार्थक वाक्य)

२. दूसरे ही दिन जाकर वह सेट खरीद लाई। (आज्ञार्थक वाक्य)

**उत्तर:**

१. लड़की को उसने कभी देखा था।

२. दूसरे ही दिन जाकर वह सेट खरीद लाओ।

## भाषिक कौशल

***संभाषणीय**

**'शिक्षित स्त्री, प्रगत परिवार' इस विधान को स्पष्ट कीजिए।** (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ क्र. ३)

**उत्तर:** संस्कृत में यह उक्ति प्रसिद्ध है 'नास्ति मातृ समोगुरु:'। इसका मतलब यह है कि इस दुनिया में माता के समान दूसरा गुरु नहीं है। यह बात पूरी तरह सच है कि बालक के विकास में सबसे अधिक प्रभाव उसकी माता का ही पड़ता है। जिस प्रकार शरीर को भोजन की आवश्यकता है, उसी प्रकार मानसिक विकास के लिए शिक्षा आवश्यक है। अगर नारी ही शिक्षित नहीं होगी, तो उसका मानसिक और नैतिक विकास नहीं होगा। शिक्षित स्त्री का सही अर्थ है उसे प्रगतिशील और सभ्य बनाना ताकि उसमें बौद्धिक शक्ति विकसित हो सके। यदि स्त्री शिक्षित होगी, तो वह अपने परिवार को ज्यादा अच्छी तरह से चला सकेगी। महिला परिवार बनाती है, परिवार से समाज बनता है और समाज से देश बनता है। इसका मतलब यह है कि महिला का योगदान हर जगह है। महिला की क्षमता को नजरअंदाज करके पूर्ण व विकसित समाज की कल्पना करना असंभव है। अगर महिलाएँ शिक्षित होंगी तो वे अपने घरों की सभी समस्याओं का समाधान स्वयं कर सकती हैं। इसीलिए कहा जाता है कि 'शिक्षित स्त्री, प्रगत परिवार'।

Sample Content

***आसपास**

**निम्न सामाजिक समस्याओं को लेकर आप क्या कर सकते हैं बताइए:**

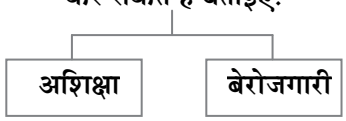


**उत्तर:** अशिक्षा और बेरोजगारी दोनों ही समस्याएँ आज सरकार के सामने खड़ी हैं। भारत की जनसंख्या का एक बड़ा अनुपात आज भी अशिक्षित है। अत: अशिक्षा के चलते बेरोजगारी का आना तो स्वाभाविक है। आज भारत में अशिक्षा बड़ी समस्या बन गई है। अशिक्षा की खास वजह गरीबी है, इसलिए गरीबी को दूर करने के साथ-साथ नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त करानी होगी, हालाँकि सरकार भी इस दिशा में कार्य कर रही है। लोगों को भी शिक्षा के प्रति जागरूक करना होगा तथा उनको शिक्षा के महत्त्व को समझाना होगा। गाँवों में ज्यादा-से-ज्यादा स्कूल खोले जाएँ तथा वहाँ शिक्षा की सही व्यवस्था की जाए। बेरोजगारी की समस्या एक दानव की तरह हमारे देश के नवयुवकों के भविष्य को खा रही है, क्योंकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त करके भी बेरोजगार हैं। इसके लिए सरकार को शिक्षा प्रणाली में बदलाव करके व्यवसाय से जोड़ना चाहिए, जिससे शिक्षा प्राप्त करने के बाद उनको रोजगार मिल जाए। बेरोजगारी के अन्य कारण जैसे गाँव के लोगों का बड़ी संख्या में शहर आना, बढ़ती जनसंख्या जैसे कारण इस समस्या के मूल में दिखाई देते हैं। अत: मैं सरकार से अनुरोध करूँगा कि सरकार देश के शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार व अशिक्षितों को शिक्षित बनाने के लिए ठोस कदम उठाए। इसके अलावा मैं जरूरत पड़ने पर अपने आस-पास के गरीब बच्चों को अध्ययन में मदद करूँगा और लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक करूँगा।

***श्रवणीय**

**आकाशवाणी पर किसी सुप्रसिद्ध महिला का साक्षात्कार सुनिए।**

**निर्देश:** विद्यार्थी शिक्षक के मार्गदर्शन में आकाशवाणी पर किसी सुप्रसिद्ध महिला का साक्षात्कार सुनें।

***पठनीय**

**लेखिका सुधा मूर्ति द्वारा लिखित कोई एक कहानी पढ़िए।**

**निर्देश:** विद्यार्थी अंतरजाल की सहायता से अथवा पुस्तकालय में जाकर लेखिका सुधा मूर्ति की कहानियाँ पढ़ें।

***पाठ से आगे**

**आभूषणों की सूची तैयार कीजिए और शरीर के किन अंगों पर पहने जाते हैं, बताइए।**

**उत्तर:**

| शरीर के अंग | आभूषण |
|---|---|
| सिर | माँगटीका |
| माथा | टिकली, बिंदी |
| कान | झुमका, बाली, कुण्डल, टॉप्स |
| नाक | नथनी, फुल्ली |
| गला | हार, माला, हंसली, कंठी |
| सिर के बाल | गजरा, वेणी, सेलड़ौ, गौफण |
| बाँह | बाजूबंद |
| कलाई | चूड़ी, कंगन, कड़ा |
| हाथ की उँगली | अँगूठी, मुदरी |
| कमर | कमरबंद, करधन, छल्ला |
| पैर | पायल, कड़ा |
| पैर की उँगली | बिछिया |

Sample Content

Page no. **12** to **87** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes** or **Target E-Notes**

Sample Content

# भाषा अध्ययन (व्याकरण)

## १. मानक वर्तनी

शब्द निर्माण में मानक वर्तनी का प्रयोग निम्नलिखित तरीकों से होता है।

**संयुक्ताक्षर की वर्तनी:**

| **मान्य** | ट्ट, ट्ठ | ड्ड, ड्ढ | द्द, द्ध | ह्न, ह्य | द्य, द्व | त्त,क्त | क्र, थ्र | ल्ल, न्न | द्धि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **अमान्य** | ट्ट, ठ्ठ | ड्ड, ढ्ढ | द्द, द्ध | ह्न, ह्य | द्य (द्य), द्व | त्त, क्त | क्र, थ्र | ल्ल, न्न | द्धि |

**मात्रा प्रयोग की वर्तनी :**

**मान्य** : इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ

**अमान्य :** अि, अी, अु, अू, अे, अै

**संयुक्ताक्षर शब्द की वर्तनी :**

मानक नियमों के अनुसार लिखे गए प्रमुख संयुक्ताक्षर शब्द निम्नलिखित हैं।

| बुद्धि | द्वितीय | चिट्ठियाँ | शुद्धि | सिद्धि | द्विगुणित | छुट्टियाँ | यद्यपि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लट्टू | लड्डू | चट्टान | इकट्ठा | बुड्ढा | राष्ट्र | श्लोक | सभ्य |
| शुद्ध | वृद्ध | बुद्ध | उद्योग | गद्य | पद्य | प्रसिद्ध | ब्रह्म |
| मुक्त | पक्का | चक्कर | टक्कर | दफ्तर | भक्त | उत्तर | गट्ठर |
| कच्चा | छज्जा | लज्जा | शय्या | नगण्य | विघ्न | म्यान | स्वाद |
| कुत्ता | पत्ता | सत्ता | महत्त्व | त्र्यंबक | न्यून | अच्छा | ब्योरा |

### स्वाध्याय

**१. मानक वर्तनी के नियमों के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए:**

१. अतिरीक्त/अतिरिक्त/अतीरिक्त/अतीरीक्त

२. सरवाधिक/सव्राधिक/सर्वाधिक/सर्वाधीक

३. सम्ग्राम/संग्राम/सग्रांम/शंग्राम

४. आंधोलन/आदोंलन/आधोंलन/आंदोलन

५. शिक्षीत/शिक्षिथ/शिक्षित/शीक्षित

६. प्रस्तूत/प्रस्तुत/प्रसतुत/प्रस्स्तुत

७. आर्थिक/आर्थीक/आर्तिक/आरथिक

८. चिकीत्सक/चिकित्सक/चीकित्सक/चीकीत्सक

९. देसभक्त/देशभक्थ/देशभक्त/देशभक्त

१०. स्वादिष्ट/श्वादिष्ट/स्वादीष्ट/स्वादिस्ट

**उत्तर:** १. अतिरिक्त २. सर्वाधिक
३. संग्राम ४. आंदोलन
५. शिक्षित ६. प्रस्तुत
७. आर्थिक ८. चिकित्सक
९. देशभक्त १०. स्वादिष्ट

**२. मानक वर्तनी के नियमों के अनुसार शब्दों को शुद्ध करके लिखिए:**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | उत्तर | २. | बुध्दिमान | ३. | महत्त्व |
| ४. | गद्य | ५. | खोईसी | ६. | किन्तु |
| ७. | रोयी | ८. | सांप | ९. | विद्या |
| १०. | यद्यपि | ११. | उक्ति्क | १२. | प्राणदण्ड |

**उत्तर:**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| १. | उत्तर | २. | बुद्धिमान | ३. | महत्त्व |
| ४. | गद्य | ५. | खोई-सी | ६. | किंतु |
| ७. | रोई | ८. | साँप | ९. | विद्या |
| १०. | यद्यपि | ११. | उक्ति | १२. | प्राणदंड |

Sample Content

# २. अव्यय (अविकारी शब्द) (Parts of Speech)

अव्यय (अविकारी शब्द) वे शब्द हैं, जिनके रूप में लिंग, वचन और कारक के द्‌वारा कोई परिवर्तन नहीं आता अर्थात इनका रूप सदा एक-सा रहता है। **जैसे** – यहाँ, वहाँ, और, परंतु, साथ, कारण आदि।

**अव्यय (अविकारी शब्द) के चार भेद हैं:**

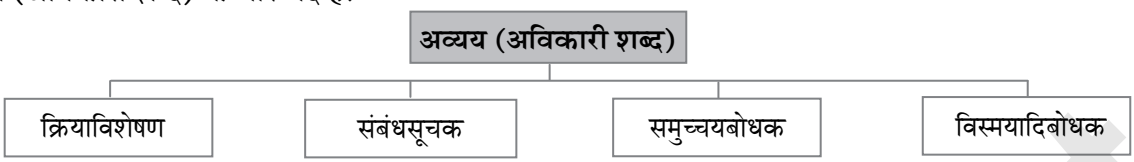


## क्रियाविशेषण अव्यय (Adverb)

जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें **क्रियाविशेषण अव्यय** कहते हैं। यह 'विशेषता' स्थान, काल, रीति, परिमाण आदि से संबंधित होती है। **अव्यय शब्द:** धीरे-धीरे, कल, आज, नहीं, वहाँ, ऊपर, बहुत, कम इत्यादि।

**उदाहरण:** वहाँ कुछ लोग खड़े थे।

## संबंधसूचक अव्यय (Preposition)

जो अव्यय संज्ञा या सर्वनाम के बाद आकर उस संज्ञा या सर्वनाम का संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ निर्धारित करते हैं, उन्हें **संबंधसूचक अव्यय** कहते हैं। **अव्यय शब्द:** के पीछे, के आगे, के पास, के साथ, की खातिर, के बिना इत्यादि।

**उदाहरण:** राशन के लिए कुछ रुपए रखे हैं।

## समुच्चयबोधक अव्यय (Conjunction)

जो अव्यय एक वाक्य को दूसरे वाक्य से, एक शब्द-समूह को दूसरे शब्द-समूह से या एक शब्द को दूसरे शब्द से जोड़ते हैं, उन्हें **समुच्चयबोधक अव्यय** कहते हैं। **अव्यय शब्द:** लेकिन, कि और, तथा, इसलिए, व इत्यादि।

**उदाहरण:** उस रात मुझमें और मेरे मन में ठन गई।

## विस्मयादिबोधक अव्यय (Interjection)

जो शब्द आनंद, भय, हर्ष, शोक, तिरस्कार, घृणा, आदि भावों को व्यक्त करते हैं, उन्हें **विस्मयादिबोधक अव्यय** कहते हैं। **अव्यय शब्द:** वाह!, हाय!, अरे!, छि:!, हे!, ओह!, अहा! इत्यादि।

**उदाहरण:** ओह! बहुत अधिक दर्द है।

## स्वाध्याय

**१. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए:**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १. | के साथ | २. | वाह! | ३. | और | ४. | कभी-कभी | ५. | वहाँ |
| ६. | के मारे | ७. | अहा! | ८. | या | ९. | कल | १०. | के भीतर |

**उत्तर:** १. दादी माँ के साथ नीलू चिड़िया रहती थी।
२. वाह! आज तो फुटबॉल खेलकर मजा आ गया।
३. परेश और सीमा चचेरे भाई-बहन हैं।
४. दादा जी कभी-कभी बगीचे की सैर करते हैं।
५. वहाँ का मौसम बहुत खराब है।
६. अनिल डर के मारे रोने लगता है।
७. अहा! कितनी स्वादिष्ट मिठाई है।
८. तुम गाय या भैंस पाल लो।
९. कल बाजार बंद रहेगा।
१०. ठंड से बचने के लिए सभी घर के भीतर बैठे हैं।

Sample Content

# ३. संधि (Combination)

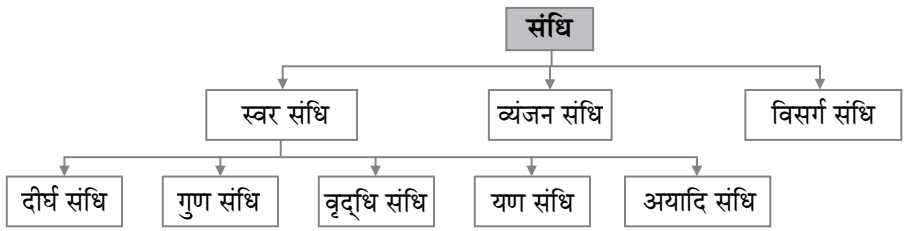


पहले पद का अंतिम वर्ण या स्वर तथा दूसरे पद का प्रथम वर्ण या स्वर, इन दोनों के मेल से होने वाले परिवर्तन को **संधि** कहते हैं।

**संधि के मुख्य तीन प्रकार हैं:**

## स्वर संधि

दो स्वरों के मेल से जो संधि होती है, उसे **स्वर संधि** कहते हैं।

**उदाहरण:**

पुस्तक + आलय – पुस्तकालय

इस उदाहरण में अ + आ दोनों स्वर हैं।

**स्वर संधि के निम्नलिखित भेद हैं:**

क. दीर्घ संधि ख. गुण संधि ग. वृद्धि संधि

घ. यण संधि च. अयादि संधि

### क. दीर्घ संधि

यदि प्रथम शब्द के अंत में स्वर हो और दूसरे शब्द के आरंभ में भी उसी के समान स्वर हो, तो दोनों के स्थान पर दीर्घ स्वर उत्पन्न हो जाता है। यह **दीर्घ संधि** कहलाती है।

**उदाहरण:**

**अ + अ = आ**

परम + अर्थ = परमार्थ

पुस्तक + अर्थी = पुस्तकार्थी

**अ + आ = आ**

पुस्तक + आलय = पुस्तकालय

परम + आत्मा = परमात्मा

रत्न + आकर = रत्नाकर

**आ + अ = आ**

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

सेवा + अर्थ = सेवार्थ

इच्छा + अनुसार = इच्छानुसार

**इ + इ = ई**

अभि + इष्ट = अभीष्ट

कवि + इंद्र = कवींद्र

रवि + इंद्र = रवींद्र

**इ + ई = ई**

हरि + ईश = हरीश

कवि + ईश = कवीश

**ई + इ = ई**

फणी + इंद्र = फणींद्र

**ई + ई = ई**

नदी + ईश = नदीश

जानकी + ईश = जानकीश

**ऊ + उ = ऊ**

वधू + उत्सव = वधूत्सव

**ऊ + ऊ = ऊ**

भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व

### ख. गुण संधि:

जब 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई', 'उ' या 'ऊ' अथवा 'ऋ' आता है, तो दोनों मिलकर 'ए', 'ओ' अथवा 'अर्' हो जाते हैं। यह **गुण संधि** कहलाती है।

**उदाहरण:**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **अ + इ = ए** | = | देव + इंद्र | = | देवेंद्र |
| **अ + ई = ए** | = | सुर + ईश | = | सुरेश |
| **आ + ई = ए** | = | महा + ईश | = | महेश |
| **अ + उ = ओ** | = | सूर्य + उदय | = | सूर्योदय |
| **अ + ऊ = ओ** | = | जल + ऊर्मि | = | जलोर्मि |
| **अ + ऋ = अर्** | = | देव + ऋषि | = | देवर्षि |
| **आ + ऋ = अर्** | = | महा + ऋषि | = | महर्षि |

### ग. वृद्धि संधि:

जब 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' अथवा 'ऐ' आता है, तब दोनों के स्थान पर 'ऐ' और जब 'ओ' अथवा 'औ' आए तब दोनों स्थानों में 'औ' की वृद्धि हो जाती है। इस क्रिया को **वृद्धि संधि** कहा जाता है।

**उदाहरण:**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **आ + ए = ऐ** | = | तथा + एव | = | तथैव |
| **अ + ऐ = ऐ** | = | परम + ऐश्वर्य | = | परमैश्वर्य |
| **आ + ऐ = ए** | = | महा + ऐश्वर्य | = | महैश्वर्य |
| **अ + ओ = औ** | = | उष्ण + ओदन | = | उष्णौदन |
| **अ + औ = औ** | = | परम + औषध | = | परमौषध |

Sample Content

Page no. **91** to **98** are purposely left blank.

To see complete chapter buy **Target Notes** or **Target E-Notes**

Sample Content

# १ पत्र-लेखन

जीवन में पत्राचार की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। पत्र के माध्यम से हम अपना समाचार, अपनी राय, अपनी शिकायत, अपनी माँग और अपना संदेश दूसरों तक आसानी से पहुँचा सकते हैं, लेकिन पत्र लिखना भी एक कला है। पत्र लिखने वाला व्यक्ति लिखी गई सामग्री के साथ पूरी तरह से जुड़ा होता है और उससे पत्र पढ़ने वाले व्यक्ति को लेखक के व्यक्तित्व की झलक भी मिल जाती है। सामान्यत: पत्र दो प्रकार के होते हैं– **औपचारिक और अनौपचारिक।**

**औपचारिक पत्र:** औपचारिक पत्र उन लोगों के बीच लिखे जाते हैं, जिनके बीच औपचारिक संबंध होते हैं। इन पत्रों की भाषा-शैली और लिखने का एक खास तरीका होता है। इनकी भाषा सरल, सहज व शिष्ट होती है। इनमें निजीपन का स्थान नहीं होता और इनका रूपाकार भी सुनिश्चित होता है। औपचारिक पत्रों में कई तरह का पत्र-व्यवहार शामिल होता है, जिनमें से मुख्य हैं –

१. व्यावसायिक/माँग पत्र
२. शिकायती पत्र
३. अनुमति पत्र
४. विनती/प्रार्थना पत्र
५. आवेदन पत्र

**पत्र का प्रारूप (औपचारिक पत्र)**

दिनांक:
प्रति,
.....
.....
ई-मेल आईडी: .....
विषय:.....
अभिवादन,
विषय विवेचन:
.....
.....
भवदीय/भवदीया,
हस्ताक्षर: .....

नाम: .....
पता: .....
ई-मेल आईडी: .....

**अनौपचारिक पत्र:** अनौपचारिक पत्रों की रूपरेखा बँधी हुई नहीं होती। वास्तव में ये पत्र व्यक्तिगत होते हैं। इनमें भाषा-शैली का भी कोई कड़ा नियम लागू नहीं होता। इनमें आपसी बातचीत जैसा अपनापन और निजीपन होता है। ये पत्र माता-पिता, पति-पत्नी, भाई-बहन, बच्चों या मित्रों के बीच लिखे जाते हैं। अनौपचारिक पत्रों में बहुत विविधता होती है। इनमें किसी सूचना से लेकर उपदेश तक दिया जा सकता है। इनमें विषय लिखने की आवश्यकता नहीं होती है।

**पत्र का प्रारूप (अनौपचारिक पत्र)**

दिनांक: .....
ई-मेल आईडी: .....
संबोधन: .....
अभिवादन:.....
विषय विवेचन:
.....
.....
.....
तुम्हारा/ तुम्हारी,
हस्ताक्षर:.....
नाम: .....
पता: .....
ई-मेल आईडी: .....

**टिप्पणी:** पत्र-लेखन में अब तक लिफाफे पर पत्र भेजनेवाले (प्रेषक) का पता लिखने की प्रथा है। ई-मेल में लिफाफा नहीं होता है। अब पत्र में ही पता लिखना अपेक्षित है।

## पत्र लिखते समय ध्यान में रखने योग्य बातें

१. **अ. दिनांक :** पत्र लिखनेवाले को पत्र के ऊपर बाईं ओर दिनांक लिखना चाहिए।

**ब. पानेवाले का पता :** इसके बाद व्यावसायिक पत्र में 'प्रति' और कार्यालयीन तथा आवेदन-पत्र में 'सेवा में' लिखकर, जिसे पत्र लिखना हो उसके नाम और पद का उल्लेख कर उसका पता लिखना चाहिए।

**क. ई-मेल आईडी :** प्राप्त करनेवाले का ई-मेल आईडी देना अनिवार्य है।

Sample Content

२. **विषय या संदर्भ** : इसके नीचे 'विषय' या 'संदर्भ' लिखकर पत्र लिखने का 'हेतु' संक्षेप में स्पष्ट करना चाहिए।

३. **पत्र का कलेवर** : संबोधन और अभिवादन के बाद पत्र का कलेवर प्रारंभ होता है। पत्र को दो या तीन अनुच्छेदों में बाँटकर लिखना चाहिए। मुख्य विषय की चर्चा करनी चाहिए।

४. **हस्ताक्षर** : पत्र में हस्ताक्षर होना आवश्यक है। अत: यहाँ पत्र लिखनेवाले का नाम लिखा जाता है।

५. **प्रेषक का नाम** : अंत में पत्र के बाईं ओर समापन-सूचक शब्दों के साथ पत्र भेजनेवाले का नाम होना चाहिए।

६. **प्रेषक का पूरा पता** : इसके बाद पत्र भेजनेवाले का पूरा पता लिखना चाहिए।

७. **ई-मेल आईडी** : पत्र के अंत में ई-मेल आईडी देना आवश्यक है।

**कुछ विशेष टिप्पणी:**

१. पत्र-लेखन की भाषा सरल और विषय से संबंधित होनी चाहिए।

२. पत्र में कहीं भी अस्पष्टता नहीं होनी चाहिए।

३. व्याकरण का उचित प्रयोग करें, विरामचिह्नों का प्रयोग उचित स्थानों पर करें, वर्तनी शुद्ध रखें।

४. पत्र-लेखक के व्यक्तित्व की झलक उसके लेखन में नजर आती है। अत: सदैव सम्मानसूचक शब्दों का प्रयोग करें।

## नमूना कृतियाँ

### औपचारिक पत्र

***१. प्रशंसा पत्र**

**प्रशंसा पत्र**

| प्रशंसनीय कार्य के उपलक्ष्य में | उद्यान विभाग प्रमुख |
|---|---|

अनुपयोगी वस्तुओं से आकर्षक तथा उपयुक्त वस्तुओं का निर्माण - उदा. आसन व्यवस्था, पेय जल सुविधा, स्वच्छता गृह आदि।

**उत्तर:**

४ दिसंबर, २०१९

सेवा में,
उद्यान विभाग प्रमुख,
अंधेरी (पू.)।
uvibhag@xyz.com

**विषय:** प्रशंसा हेतु पत्र।

महोदय,

उद्यान विभाग द्वारा हमारे क्षेत्र में दर्जनों उद्यानों का निर्माण किया गया था, लेकिन उनके रख-रखाव की ठीक व्यवस्था नहीं की गई थी। उद्यानों की बुरी अवस्था के कारण क्षेत्रवासी उद्यानों में जाने से कतराते थे।

पिछले सप्ताह ही मैं अपने परिवार के साथ अपने घर के पास के उद्यान में गई थी। उद्यान की कायापलट देखकर मैं आश्चर्यचकित रह गई। जिस उद्यान में लोग जाना पसंद नहीं करते थे, उसी उद्यान में लोगों की भीड़ लगी थी। शहीद के नाम पर उद्यान का नामकरण, उद्यान के दोनों छोर पर पेयजल की सुविधा, मुख्य द्वार से दूर बाईं तरफ नि:शुल्क शौचालय तथा लकड़ी, पत्थर और ईंट-सीमेंट से बनाए गए आसन की व्यवस्था सचमुच सराहनीय है। उद्यान के बीचोंबीच छोटा-सा तालाब और उसमें तैरते रंगबिरंगे बतख व मछलियाँ लोगों का मन मोह लेते हैं। युवाओं के लिए व्यायाम साधन शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का माध्यम बन गया है।

Sample Content

## AVAILABLE NOTES FOR STD. IX:
(Eng., Mar. & Semi Eng. Medium)

### PERFECT SERIES
- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology

### PERFECT SERIES
- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान

Scan the QR code to buy e-book version of Target's Notes on Quill - The Padhai App

## AVAILABLE NOTES FOR STD. X:
(Eng., Mar. & Semi Eng. Medium)

### PERFECT SERIES
- English Kumarbharati
- मराठी अक्षरभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- History and Political Science
- Geography
- Mathematics (Part - I)
- Mathematics (Part - II)
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)

### PRECISE SERIES
- History, Political Science and Geography
- Science and Technology (Part - 1)
- Science and Technology (Part - 2)

**Additional Titles:** (Eng., Mar. & Semi Eng. Med.)
- Grammar & Writing Skills Books (Std. X)
  - Marathi • Hindi • English
- Hindi Grammar Worksheets
- 3 in 1 Writing Skills
  - English (HL) • Hindi (LL) • Marathi (LL)
- 3 in 1 Grammar (Language Study) & Vocabulary
  - English (HL) • Hindi (LL) • Marathi (LL)
- SSC 54 Question Papers & Activity Sheets With Solutions
- आमोद: (सम्पूर्ण-संस्कृतम्) – SSC 11 Activity Sheets With Solutions
- हिंदी लोकवाणी (संयुक्त), संस्कृत- आनन्द: (संयुक्तम्) – SSC 12 Activity Sheets With Solutions
- IQB (Important Question Bank)
- Mathematics Challenging Questions
- Geography Map & Graph Practice Book
- A Collection of Board Questions With Solutions

### PRECISE SERIES
- My English Coursebook
- मराठी कुमारभारती
- हिंदी लोकभारती
- हिंदी लोकवाणी
- आमोद: सम्पूर्ण-संस्कृतम्
- आनन्द: संयुक्त-संस्कृतम्
- इतिहास व राज्यशास्त्र
- भूगोल
- गणित (भाग - I)
- गणित (भाग - II)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - १)
- विज्ञान आणि तंत्रज्ञान (भाग - २)

**OUR PRODUCT RANGE**

Children Books | School Section | Junior College
Degree College | Entrance Exams | Statponery

**Visit Our Website**

Published by:

Target Publications® Pvt. Ltd.
Transforming lives through learning

Explore our range of
**STATIONERY**

B2, 9th Floor, Ashar, Road No. 16/Z, Wagle Industrial Estate, Thane (W)-400604 | 88799 39712 / 14 | 88799 39713 / 15

www.targetpublications.org mail@targetpublications.org